वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 195 बुधवार 12 नवम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर की शहरी सरकार के दो भाग

ग्रेटर एरिया को पार्ट-1 और हेरिटेज को पार्ट-2 बनाया, एक-एक अतिरिक्त कमिश्नर नियुक्त

जयपुर. कासं

जयपुर में नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज को मर्ज करके भले ही एक बना दिया हो, लेकिन यहां काम अब भी दो नगर निगम की तरफ होगा। इन दोनों के एरिया को पार्ट-1 और पार्ट-2 का नाम दिया है। इनमें एक-एक अतिरिक्त कमिश्नर नियुक्त किए है, जो दोनों एरिया में नियुक्ति अधीनस्थ कर्मचारियों-अधिकारियों से पहले की तरह वर्किंग करवाएंगे। इन दोनों ही एरिया के अधिकारी-कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्र की ऐसी फाइलें जिनका निपटारा कमिश्नर के स्तर पर होगा, वह इसे अतिरिक्त कमिश्नर के जरिए ही कमिश्नर को भिजवाएंगे। ग्रेटर एरिया यानी पार्ट-1 में नरेन्द्र कुमार बंसल और हेरिटेज एरिया यानी पार्ट-2 प्रवीण कुमार को अतिरिक्त आयुक्त लगाया है।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनने शुरू

नगर निगम जयपुर बनने के पहले सॉफ्टवेयर अपडेट नहीं होने और स्टेशनरी नहीं छपने के कारण जन्म, विवाह, मृत्यु के रजिस्ट्रेशन का काम भी बंद रहा। इस कारण निगम दफ्तरों में आने वाले लोगों को परेशानी हुई। मंगलवार दोपहर बाद ये काम शुरू हो गया, जिससे लोगों को थोड़ी राहत रही। अब हेरिटेज एरिया के ऐसे व्यक्ति जिनको जन्म, मृत्यु या विवाह प्रमाण पत्र जो पहले से बने हैं, उसमें कोई संशोधन करवाना है तो उनको जलेबी चौक स्थित हेरिटेज निगम के पुराने ऑफिस न जाकर लालकोठी (एसएमएस स्टेडियम के पास) स्थित मुख्यालय पर ही आना होगा।

संभागीय आयुक्त ने ली बैठक

नगर निगम जयपुर बनने के बाद आज प्रशासक लगी संभागीय आयुक्त पूनम ने पहली बार नगर निगम मुख्यालय जाकर बैठक ली। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों का परिचय लिया और उसके बाद आगामी दो बड़े आयोजन की तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। आगामी दिनों में प्रवासी राजस्थान सम्मेलन और खेलो इंडिया कार्यक्रम का आयोजन बड़े स्तर पर होना है। इसमें नगर निगम की जो जिम्मेदारी है उसे अच्छे से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने जयपुर शहर को स्वच्छ रखने के लिए भी टीम वर्क के जरिए काम करने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने बताया कि निगम के मर्जर के बाद कुछ समस्याएं आ रही है, जिनको जल्द दूर किया जाएगा, ताकि आमजन के किसी तरह के काम प्रभावित न हो।

एच.आर. कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन

निजी क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रयास

जयपुर. कासं

उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, जयपुर एवं सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में एक दिवसीय एच.आर. कॉन्क्लेव 2025 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नरेश गोयल रहे। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में अरूण अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष, फोर्टी राजस्थान; जगदीश सोमानी, अध्यक्ष, वी.के.आई. एसोसिएशन; तथा अनाम कुमार, संस्थापक, वर्ल्ड ग्रोथ फोरम ने अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि नरेश गोयल ने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रशिक्षण आवश्यक है। सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय के निदेशक अरूणांशु हलदर ने कहा कि वर्तमान समय में निजी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन शिक्षण संस्थानों और उद्योग जगत के मध्य संवाद स्थापित करने का सेतु बनते हैं। उप निदेशक नवरेखा ने एच.आर. कॉन्क्लेव 2025 की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि राज्य सरकार के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की कार्ययोजना के तहत रोजगार विभाग समय-समय पर कैंपस प्लेसमेंट एवं रोजगार मेलों का आयोजन कर बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निजी संस्थानों एवं रोजगार विभाग के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

प्रदेश के औद्योगिक विकास में राइजिंग राजस्थान समिट साबित होगा मील का पत्थर : विश्नोई

जयपुर. कासं। नई दिल्ली के भारत मंडपम में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया की अध्यक्षता में शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय श्रम एवं रोजगार सम्मेलन में देशभर के श्रम रोजगार और उद्यमिता मंत्रियों ने भाग लिया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में राजस्थान की ओर से शामिल हुए उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान समिट के माध्यम से एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इसके माध्यम से राज्य में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं, जिसके जरिए आने वाले समय में नए उद्योगों का बड़ा निवेश राजस्थान में होगा। उन्होंने कहा कि यह समिट राजस्थान के औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। मंत्री विश्नोई ने कहा कि राजस्थान अब देश के सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक प्रदेश के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के चहुंमुखी विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं को और अधिक बेहतर बनाने की दिशा में भी सतत प्रयास कर रही है ताकि विकसित राजस्थान के साथ स्वस्थ राजस्थान के लक्ष्य को भी हासिल किया जा सके। सम्मेलन के दौरान भारत के रोजगार और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से नवीन विचारों, सर्वोत्तम प्रथाओं और सहयोगात्मक दृष्टिकोणों को साझा किया जा रहा है।

शुभ भाव से स्वर्ग की आयु मिलती है: आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया

तहसील रोड स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रवासरत विदुषी आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी ससंघ के श्रीमुख से प्रातःकाल भगवान शांतिनाथ का पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात मंदिर परिसर के विशाल सभागार में माताजी ने धर्मसभा में उपस्थित समाजजनों को तत्त्वार्थ सूत्र के विभिन्न दृष्टांतों के माध्यम से जीवन का सार समझाया। उन्होंने कहा कि तत्त्वार्थ सूत्र का मूल उद्देश्य मोक्ष प्राप्ति है, जो पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति और संसार से पूर्ण विदा के रूप में समझा जाता है। यह ग्रंथ कर्मों के बंधन को समझने और उन्हें समाप्त करने के उपाय बताता है ताकि आत्मा मुक्त हो सके। माताजी ने अपने प्रवचन में शुभ और अशुभ भावनाओं का महत्व बताते हुए कहा – 'शुभ भाव से स्वर्ग की आयु मिलती है, जबकि अशुभ भाव से नरक आयु का बंध होता है।' उन्होंने कहा कि

श्रावकाचार में धर्म, संयम और शुभ-अशुभ प्रवृत्तियों से निवृत्ति जैसे विषयों पर स्पष्ट मार्गदर्शन दिया गया है, ताकि एक गृहस्थ अपने जीवन में सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र को प्राप्त कर सके। आर्यिका श्री ने पाँच अणुव्रतों – अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह – पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक कार्य इस प्रकार करें कि हिंसा न्यूनतम हो, और अपने पापों की आलोचना स्वयं करें, क्योंकि यही आत्मशुद्धि का मार्ग है। इससे पूर्व आर्यिका अनघमति माताजी ने मंगलाचरण के साथ अपने प्रवचन में पुण्य, भावना और परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक प्रेरक कथा सुनाई और कहा कि भगवान के दर्शन से व्यक्ति के सभी संकट मिट जाते हैं। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष रमेशचंद्र कोठारी, महामंत्री भूपेंद्र जैन, हूमड़ समाज अध्यक्ष वीरेंद्र वखारिया, नेमीनाथ मंदिर चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष नरेंद्र पंचोली एवं मंत्री कुलदीप जैन सहित रतनलाल चंदावत, दिनेश जैन, कमल प्रकाश, बदामीलाल पंचोली, पुष्कर जैन, हेमराज नागदा, शैलेश पंचोली, बाबूलाल जैन, गुणवंत फड़ीया, विक्रांत कोठारी, वैभव कोठारी, हिमांशु भंवरा, महिला मंडल एवं महिला परिषद की सदस्याएँ तथा सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे। धर्मसभा का संचालन महामंत्री भूपेंद्र जैन ने किया।

"दुनिया में गरीब बने रहो, भगवान के द्वार पर अमीरी दिखाना":मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

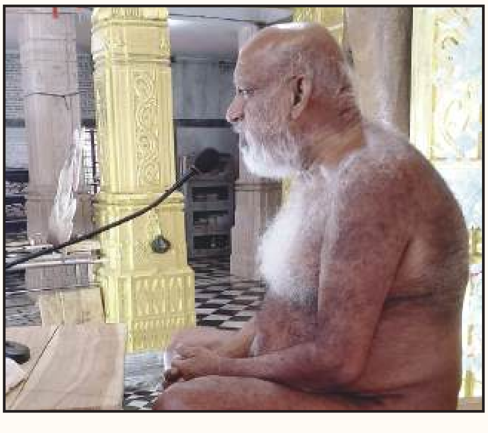

सोलह नवम्बर को थूवोनजी में भव्य शिलान्यास समारोह

थूवोनजी. शाबाश इंडिया

मध्य भारत के दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में सोलह नवम्बर को पाषाण से निर्मित पंचमुखी विशाल जिनालयों तथा नंदीश्वर दीप जिनालयों का भव्य शिलान्यास समारोह सम्पन्न होगा। इस आयोजन की जानकारी क्षेत्र प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने प्रदान की। शिलान्यास कार्यक्रम में परम पूज्य गुरुदेव मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ एवं उनके शिष्यों की उपस्थिति में पूरे विधि-विधान के साथ नींव रखी जाएगी। कार्यक्रम के संदर्भ में मुनि श्री ने उपस्थित जनों को उपदेश देते हुए कहा कि दुनिया में गरीब बने रहो – पर जब तुम भगवान के दरवाजे पर जाओ तो वहाँ अमीरी दिखाकर जाओ। उनका तात्पर्य यह था कि अपने अंदर के श्रेष्ठ गुण और आध्यात्मिक सम्पन्नता को सार्वजनिक दिखावा न बनाओ; भगवान तो अंतर्यामी हैं और वे सब जानते हैं। मुनि श्री ने समझाया कि बाहर अमीरी दिखाने से अनेक दुष्परिणाम होते हैं – पड़ोसी टूट सकते हैं, ईर्ष्या उत्पन्न होती है; इसलिए पारिवारिक और सामाजिक जीवन में संयम और सादगी अपनानी चाहिए। विजय धुर्रा ने बताया कि लंबे समय से चले प्रयास और जनसमर्थन के बाद थूवोनजी तीर्थ पर यह महत्त्वपूर्ण निर्माण कार्य आरम्भ हो रहा है। शिलान्यास समारोह का निर्देशन आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ, क्षुल्लक श्री गम्भीरसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री वरिष्ठसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री विदेहसागर जी महाराज और वाल-ब्राह्मचारी प्रतिष्ठाचार्य प्रदीपभइया के मार्गदर्शन में होगा। दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के पदाधिकारी एवं आयोजक समिति ने सभी भक्तों, समाज बंधुओं और शुभचिन्तकों से सोलह नवम्बर को उपस्थित रहने की अपील की है। अध्यक्ष अशोक जैन टींगू, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रोकड़िया, महामंत्री मनोज भैसरवास, कोषाध्यक्ष प्रमोद मंगल, दीप मंत्री शैलेन्द्र दददा, प्रचार मंत्री विजय धुर्रा, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार सहित अन्य प्रमुख जन उपस्थित रहेंगे। मुनि श्री ने अंतिम संदेश में कहा – ''दुनिया सुधर जाएगी, हमारी दृष्टि बदलेगी; अपने गुणों को नम्रता से संभालें, दूसरों की बुराइयों को न देखें और अपने कर्मों से समाज को प्रेरित करें।''

फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित परिचय सम्मेलन के पोस्टर का हुआ भव्य विमोचन

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा इस वर्ष भी इंदौर नगर में दिनांक 25 जनवरी 2026 को बड़े स्तर पर आयोजित किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय ''जैन युवक-युवती परिचय सम्मेलन – समाज की बेटी, समाज में'' के पोस्टर का भव्य विमोचन दिनांक 9 नवंबर, रविवार 2025 को उज्जैन में संपन्न हुआ। यह समारोह श्रमण संस्कृति के महामहिम आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य, प्रयाग क्रांतिकारी संत मुनिवर 108 श्री प्रणुत सागर जी महाराज (ससंघ) के पावन सान्निध्य में आयोजित किया गया। फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मुनिवर श्री प्रणुत सागर जी महाराज ने परिचय सम्मेलन की पूर्ण सफलता हेतु आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि 'सामाजिक, धार्मिक एवं मानव सेवा के कार्यों में फेडरेशन और इसके ग्रुपों की सक्रियता अत्यंत सराहनीय है।' मुनिवर श्री की चरण-छाया में हुए इस पोस्टर विमोचन समारोह में फेडरेशन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें –
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश लॉरेल,
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अश्विन जी कासलीवाल,
राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव प्रदीप झांझरी,
राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव भूपेंद्र जैन एवं देवेंद्र जैन (डी.के.),
परवार समाज इंदौर के कार्याध्यक्ष सुदीप जैन,
'आशीष जैन पाटनी (मुंबई)', राजेश जैन (कुंभराज),
उज्जैन रीजन के संरक्षक नीरज सोगानी,
हितेश जैन परम एवं अनिल जैन (जैनको) सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।
समारोह में समाजबंधुओं ने एक स्वर में परिचय सम्मेलन की सफलता के लिए मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

कुंभलगढ़ में ई-चौपाल प्रेजेंटेशन की हुई खूब सराहना

कुंभलगढ़. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल के दो दिवसीय मंथन शिविर में आयोजित ई-चौपाल प्रेजेंटेशन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया (डडूका) द्वारा प्रस्तुत ई-चौपाल की वार्षिक कार्ययोजना की सभी ने सराहना की। जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन ने बताया कि अजीत कोठिया ने दिसंबर 2025 तक ई-चौपाल में उपस्थिति के लिए अबकी बार सदस्य संख्या 500 पारह्व का लक्ष्य रखा और सभी सदस्यों से नियमित रूप से रात्रि चौपाल में भाग लेने का संकल्प करवाया। अधिवेशन में डूंगरपुर निवासी डूंगरलाल पटेल को संस्था का एम.आई.एफ. सदस्य मनोनीत किया गया। उन्हें अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सी.ए. अनिल जैन एवं महासचिव सोहनलाल वैद्य ने पिन प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वागड़ जोन (डूंगरपुर-बांसवाड़ा) से विनोद दोसी, सुरेश गांधी, निधि गांधी, रणजीत सिंह सोलंकी, प्रेरणा शाह, दिलीप दोसी, तिलकनंदनी शाह, नीरव जैन, पुष्पक जैन, विजय जैन, पद्येन्द्र गांधी, हर्षवर्धन जैन, कल्पना दोशी, डूंगरलाल पटेल तथा अजीत कोठिया सहित कुल 16 सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिल्पा बंब ने किया तथा आभार प्रदर्शन एम. के. जैन ने किया। आयोजन में 250 से अधिक वीर-वीराओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जीतो लेडिज विंग की सदस्याओं ने फैक्ट्री पहुँचकर समझी कपड़ा निर्माण की प्रक्रिया

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जीतो लेडिज विंग, भीलवाड़ा चैप्टर द्वारा उद्योगों की कार्यप्रणाली को जानने-समझने की पहल के तहत 'स्वयम्' JBN प्रोजेक्ट के अंतर्गत ''विविंग वंडर'' इंडस्ट्रियल विजिट का आयोजन किया गया। इस दौरान सदस्याओं ने मण्डपिया चौराहा स्थित जेपीएल इंडस्ट्री का दौरा किया। कार्यक्रम की रूपरेखा चेयरपर्सन नीता बाबेल एवं चीफ सेक्रेटरी अर्चना पाटोदी के मार्गदर्शन में तैयार की गई थी। इस विजिट का संचालन प्रोजेक्ट कन्वीनर अंकिता सेठी और नीतू चोरड़िया, सह-कन्वीनर प्रीति जैन एवं अमिता बाबेल के नेतृत्व में हुआ। इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य जीतो लेडिज विंग की सदस्याओं को वस्त्र निर्माण की पूरी प्रक्रिया – जैसे बुनाई, रंगाई, फैब्रिक फिनिशिंग तकनीक आदि की प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करना था। जेपीएल इंडस्ट्री के डायरेक्टर श्री साहिल बाबेल एवं प्रकाश नाहर ने सदस्याओं को टेक्सटाइल उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं, आधुनिक मशीनरी के उपयोग, क्वालिटी स्टैंडर्ड्स और उद्योग में हो रहे नवाचारों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा उनकी सभी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस विजिट से सदस्याओं को वस्त्र उद्योग की कार्यप्रणाली, संभावनाओं और भविष्य के अवसरों की गहरी समझ प्राप्त हुई। यह कार्यक्रम सीखने, आत्मविश्वास बढ़ाने,

उद्यमिता की दिशा में अग्रसर होने और जीतो लेडिज विंग की सदस्याओं के बीच नेटवर्किंग को प्रोत्साहित करने का एक उत्कृष्ट माध्यम सिद्ध हुआ। इस अवसर पर वनिता बाबेल, रजनी सिंघवी, सुमन लोढ़ा, कविता नाहर, रीना शिशोदिया, सुनीता जामड़, रश्मि जैन, आकांक्षा सहित कई सदस्याएँ उपस्थित रहीं।

वेद ज्ञान

घर में होने वाले वास्तु दोषों से आपको बचाता है सिंदूर

क्या आप जानते हैं कि शादी-शुदा महिलाओं की शोभा बढ़ाने वाला सिंदूर घर के वास्तु दोष भी दूर करता है। जी हां, घर के मुख्य द्वार पर सिंदूर लगाने से घर में मौजूद सारी नेगेटिव एनर्जी गायब हो जाती है। सरसों का तेल और सिंदूर- वास्तु के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर सिंदूर में सरसों का तेल मिक्स करके स्वास्तिक निशान बनाने से घर के सभी वास्तु दोष दूर होते हैं। अगर घर का दरवाजा दो हिस्सों में बंटा है तो दाईं तरफ दरवाजे पर स्वास्तिक का निशान बनाएं। ऐसा करना आप और आपके परिवार के लिए बहुत शुभ साबित होगा। घर के वास्तु दोष दूर होने के साथ-साथ घर के मुख्य द्वार पर सिंदूर लगाने से घर की आर्थिक स्थिति भी बेहतर होती है। आसान शब्दों में दरवाजे पर सिंदूर का तिलक पैसों की कमी दूर करता है। साथ ही घर में चोरी-डकैती होने का खतरा भी टल जाता है। यदि घर में रहने वाले सभी सदस्यों में हमेशा कलह-कलेश का माहौल बना रहता है तो दरवाजे की बगल में सिंदूर के पांच टीके लगाएं। ऐसा करने से घर की खोई हुई सुख-शांति लौट कर वापिस आ जाएगी। अगर आप कोई नई गाड़ी या फिर घर खरीदें तो नारियल के ऊपर सिंदूर का तिलक लगाने के बाद ही उसका शुभ आरंभ करें। ऐसा करने से नई खरीदी हुई नई चीज आपके लिए बहुत फल दायक साबित होगी। वास्तु के साथ-साथ ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भी यदि आपकी कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति खराब चल रही है तो चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर हनुमान जी को चढ़ाएं। ऐसा करने से आप जीवन में आने वाली मुश्किलों से बच पाएंगे।

संपादकीय

दिल्ली में विस्फोट : एक चेतावनी का संकेत

दिल्ली, भारत की राजधानी, जो हमेशा जीवंतता और इतिहास की मिसाल बनी रहती है, सोमवार की संध्या एक भयावह घटना का गवाह बनी। लाल किले मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास एक धीमी गति से चल रही ह्युंडई आई20 कार में हुए विस्फोट ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस घटना ने जहां सरकार और प्रशासन को सख्त कदम उठाने और भविष्य की चिंता करने के लिए बाध्य कर दिया। 10 नवंबर 2025 को लगभग सायं 6:52 बजे जब कार ट्रैफिक सिग्नल पर रुकी थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि आसपास की छह कारें, दो ई-रिक्शा और एक ऑटो रिक्शा आग की लपटों में समा गए। 12लोगों की मौत, वहीं 24 से अधिक घायल हुए लोगों के समाचार ने आम जन को व्यथित कर दिया। यह न केवल एक दुर्घटना है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरे का प्रतीक है। इस विस्फोट की तीव्रता ने आसपास के भवनों की खिड़कियां तोड़ दीं और धमाके की आवाज सैकड़ों मीटर दूर तक सुनाई दी। दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने बताया कि कार में सवार तीन लोग थे, और विस्फोट के तुरंत बाद इलाके को सील कर दिया गया। फॉरेंसिक टीमें और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। खास बात यह है कि कार का मालिक, जो गुड़गांव से गिरफ्तार किया गया, ने दावा किया कि उसने वाहन पुलवामा के तारिक नामक व्यक्ति को बेच दिया था। यह पुलवामा कनेक्शन जांच एजेंसियों के लिए एक नया मोड़ ला रहा है, खासकर जब हाल ही में दिल्ली में एक अंतर्राज्यीय आतंकी मॉड्यूल को अमोनियम नाइट्रेट के साथ धर दबोचा गया था। पुलिस ने अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट (यूएपीए) और एक्सप्लोसिव्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है, जो स्पष्ट रूप से संकेत देता है कि इसे आतंकी कृत्य मान लिया गया है। यह घटना भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। दिल्ली जैसे संवेदनशील शहर में, जहां ऐतिहासिक स्थल जैसे लाल किला हमेशा निशाने पर रहते हैं, कैसे एक संदिग्ध वाहन बिना रोके शहर के दिल में पहुंच गया? सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि कार दरियागंज मार्केट से होते हुए सूर्य मस्जिद के पास पार्किंग में रुकी थी, फिर मेट्रो स्टेशन की ओर बढ़ी। क्या इंटेलिजेंस फेलियर हुआ? पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली को कई आतंकी साजिशों का सामना करना पड़ा है–2019 का पुलवामा हमला हो या 2005 के बाजार धमाके। आजादी के 78 वर्ष बाद भी, हमारी राजधानी में सुरक्षा के छेद नजर आते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने घटनास्थल का दौरा कर और घायलों से मुलाकात करके संवेदनशील सरकार का परिचय दिया है। लेकिन उन्होंने कहा, सभी पहलुओं की जांच हो रही है लेकिन अब समय कार्रवाई का है। इस विस्फोट का सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी गहरा है। पुरानी दिल्ली का यह इलाका, जहां दैनिक जीवन की भागदौड़ कभी रुकती नहीं, अब भय के साये में है। मृतकों में मजदूर, व्यापारी और आम राहगीर शामिल हैं, जिनके परिवार आज टूट चुके हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पाक का संवैधानिक तानाशाह

सैयद असीम मुनीर अहमद शाह को पाकिस्तान का शहंशाह कहें अथवा संवैधानिक तानाशाह कहें या बेताज बादशाह कह लें, लेकिन वह ऐसे शख्स हैं, जो राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सर्वोच्च अदालत से भी सुप्रीम हैं। दुनिया में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। सैन्य शासक तानाशाह हो सकते हैं या उत्तरी कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन है, लेकिन कोई देश जम्हूरियत (लोकतंत्र) का स्वांग भरे, चुनाव कराने का ढोंग किया जाए, वहां का सेना प्रमुख, अंततः, मुल्क का शहंशाह बन जाए, यह विरला उदाहरण पाकिस्तान में ही सामने आया है। कठपुतली प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शुक्र मना सकते हैं कि उनकी हुकूमत का तख्तापलट नहीं किया गया। अलबत्ता पाकिस्तान में कथित निर्वाचित सरकारों की हुकूमतें पलटी जाती रही हैं और सेना प्रमुख तानाशाह राष्ट्रपति बनते रहे हैं। अयूब खान, याह्या खान, जिया उल हक और परवेज मुशर्रफ सरीखे तानाशाहों ने पाकिस्तान पर हुकूमत की है, लेकिन उनके अंत बेहद त्रासद और दयनीय रहे हैं। मौजूदा फील्ड मार्शल एवं सेना प्रमुख जनरल मुनीर इन तमाम तानाशाहों को पीछे छोड़ कर एक ऐसा उदाहरण बन चुके हैं, जो दुनिया में लोकतंत्र, संविधान, संसद, मानवाधिकार सरीखी व्यवस्थाओं और उनके नागरिक मूल्यों को चिढ़ा रहे हैं। उनका मखौल उड़ा रहे हैं। मुनीर खुद ही पाकिस्तान का नया तानाशाह नहीं बना। उन्होंने हुकूमत और संसद को विवश किया है। संसद और सीनेट में यह संविधान संशोधन पारित किया गया है और मुनीर के लिए एक नए पद का सृजन किया गया है-चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ)। यह पद चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भारत में भी है, लेकिन वह निरंकुश और स्वयंभू नहीं है। वह राष्ट्रपति और केंद्रीय कैबिनेट के अधीन सेवारत है। पाकिस्तान के सीडीएफ मुनीर को न तो राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री हटा सकते हैं और न ही सर्वोच्च अदालत में कोई केस किया जा सकता है। वह कानून और अपराध से बहुत परे हैं। वह ताउम्र फौजी की वर्दी पहन सकेंगे और थल सेना, वायुसेना, नौसेना के प्रमुखों की नियुक्ति करेंगे। दरअसल अब पाकिस्तान में राष्ट्रपति सेनाओं के सुप्रीम कमांडर नहीं, बल्कि सीडीएफ मुनीर नए सर्वोच्च जनरल होंगे। तीनों सेनाएं और उनके प्रमुख अब सीडीएफ को जवाबदेह होंगे। जाहिर है कि राष्ट्रपति भी कठपुतली बन कर रह जाएंगे। मुनीर को उनकी नई सत्ता से बेदखल करने का एक ही अंतिम रास्ता है-संसद में महाभियोग सरीखा प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित कराना। यह भी असंभव लगता है, क्योंकि उस प्रस्ताव की इजाजत फौज से भी ली जाएगी। क्या कोई सेना प्रमुख अपने सीडीएफ के खिलाफ महाभियोग की अनुमति देने का दुस्साहस कर सकता है? दूसरा असंभव-सा रास्ता यह लगता है कि अंततः अदालती फैसलों के बाद इमरान खान जेल से बाहर आएं और उनके नेतृत्व में पाकिस्तान की अवाम सड़कों पर बिछ जाए। उस आंदोलन को जमात-ए-इस्लामी का भी समर्थन हो। मरने-कटने की परवाह न हो। आजादी की नई लड़ाई जैसा संघर्ष हो, तब मुनीर को पाकिस्तान छोड़ कर भागने को विवश किया जा सकता है! दुनिया में बड़े-बड़े, ताकतवर राष्ट्राध्यक्षों, राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों को देश छोड़ कर भागने पर मजबूर होना पड़ा है, इसका इतिहास साक्षी है। पाकिस्तान के भी बदतर हालात हैं। अफगानिस्तान के तालिबान, बलूच लड़ाके, टीटीपी, टीएलपी, पाक अधिकृत कश्मीर के विद्रोही आदि ने चारों तरफ से पाकिस्तान को घेर रखा है। अफगान तालिबान ने पाकिस्तान को सात खंडों में विभाजित करने को मोर्चे तैनात कर लिए हैं। विद्रोही पाकिस्तान के पंजाब तक पहुंच चुके हैं और इस्लामाबाद को हिला देने की हुंकारें भर रहे हैं।

प्लेटिनम प्रीमियर लीग सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप प्लेटिनम के संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत ने बताया कि प्लेटिनम प्रीमियर लीग का भव्य आयोजन उदयपुर स्पोर्ट्स एरिना एकेडमी में किया गया। इस वर्ष टूर्नामेंट को और अधिक रोमांचक बनाते हुए पुरुष, महिला एवं युवा वर्ग की तीन श्रेणियों में कुल 11 टीमों का गठन किया गया, जिन्हें नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से तैयार किया गया। ग्रुप अध्यक्ष पंकज जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9 बजे टीम द किचन स्टोर और टीम डी कम्पनी के बीच मुकाबले से हुआ, जिसमें टीम डी कम्पनी ने जीत दर्ज की। इस मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे कल्पेश जैन। दूसरा पुरुष वर्ग का मैच टीम जैनिकॉम और टीम गिरनार के बीच हुआ, जिसमें टीम जैनिकॉम विजेता रही तथा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने आशीष कीकावत। पुरुष वर्ग के फाइनल में टीम जैनिकॉम और टीम डी कम्पनी आमने-सामने हुईं, जिसमें टीम डी कम्पनी ने जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। इस मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रितेश जैन रहे। श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कल्पेश जैन, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज आशीष कीकावत और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हेमंत सिसोदिया रहे। महिला वर्ग में पहला मुकाबला टीम टीमरवा और टीम एल.जी.एम. के बीच हुआ, जिसमें टीम टीमरवा विजेता रही, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहीं भक्ति लोढ़ा। दूसरे मैच में टीम फेमी फोर्स और टीम पारस के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें टीम पारस विजेता रही, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनीं खुशबू सुराणा। फाइनल में टीम टीमरवा ने टीम पारस को हराकर जीत दर्ज की। इस मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी वर्षा मेहता रहीं, जबकि श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी भक्ति लोढ़ा, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज खुशबू सुराणा और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज पूजा नागौरी रहीं। युवा वर्ग में पहला मुकाबला टीम पावर हीटर्स और टीम फ्यूचर लीजेंड्स के बीच हुआ, जिसमें टीम पावर हीटर्स विजेता रही, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने सक्षम सिंघवी। फाइनल में टीम इंडियन चैलेंजर ने टीम पावर हीटर्स को हराकर जीत दर्ज की। इस मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अतिशय जैन रहे। श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज सार्थक जैन, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज फेनिल जैन तथा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी यश जैन रहे। इसके अतिरिक्त 1 से 7 वर्ष और 8 से 11 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम संयोजक मंडल ने बताया कि पुरुष वर्ग की टीमों का प्रायोजन क्रमशः – श्री दिलीप नागदा (टीम द किचन स्टोर), श्री दिलीप मेहता (टीम जैनिकॉम एवं टीम डी कम्पनी) और श्री राहुल पंचोली (टीम गिरनार) द्वारा किया गया। महिला वर्ग में – श्रीमती पल जैन (टीम एल.जी.एम.), श्रीमती कोमल जैन (टीम पारस कंप्यूटर), श्रीमती ज्योति टीमरवा (टीम टीमरवा) और श्रीमती निशा मेहता (टीम फेमी फोर्स) प्रायोजक रहीं। युवा वर्ग में – अतिशय मेहता (टीम इंडियन चैलेंजर), प्रणीत कीकावत (टीम फ्यूचर लीजेंड्स) और नैतिक जैन (टीम पावर हीटर्स) द्वारा प्रायोजन किया गया। सभी प्रायोजकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। पुरुष वर्ग में कमेंट्री तनुजय जैन, राहुल अखावत, पुनीत जैन, कमलेश जैन, आशीष रत्नावत एवं आशीष मेहता ने की, जबकि महिला वर्ग में खुशबू सुराणा, पूजा नागौरी और सोनल कोठारी ने अपनी उत्साही प्रस्तुति से माहौल जीवंत बनाए रखा। अंपायर एवं स्कोरर पैनल में शुभम, सक्षम, ललित, तथा ग्रुप सदस्य कल्पेश जैन, हेमंत सिसोदिया, मनोज डुंगरिया, सुमित खाब्या, सौरभ सोनी, रितेश जैन, आशीष कीकावत, प्रशम जैन और कपिल जैन ने अपनी जिम्मेदारियाँ बखूबी निभाईं। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन प्रीतेश जैन, हेमंत सिसोदिया, सुमित खाब्या, गीतेश जैन और तनुजय जैन के कुशल निर्देशन में किया गया। सभी विजेता टीमों और खिलाड़ियों को ट्रॉफी, स्मृति चिन्ह एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत, अध्यक्ष पंकज जैन, निवर्तमान अध्यक्ष विपिन जैन, आगामी अध्यक्ष तनुजय जैन, उपाध्यक्ष सुमित खाब्या, सह सचिव राहुल अखावत, कोषाध्यक्ष हेमेंद्र जैन, पीआरओ एडमिन गीतेश जैन, पीआरओ ग्रीटिंग पंकज सुराणा, पूर्व अध्यक्ष प्रीतेश जैन, मुकेश चपलोत, आशीष रत्नावत, कार्यकारिणी सदस्यगण सहित ग्रुप के लगभग 180 सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सह सचिव राहुल अखावत ने सभी उपस्थित सदस्यों, खिलाड़ियों, प्रायोजकों और आयोजन टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

दौलतखेड़ा ग्राम की आंगनवाड़ी के 17 बच्चों के लिए स्वेटर की सेवा प्रदान की गई

अजमेर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल 3233 ई-2 के प्रांतपाल लायन राम किशोर गर्ग द्वारा चलाए जा रहे प्रमुख प्रांतीय कार्यक्रम ''आओ खुशियाँ बाँटें'' एवं ''आओ गाँव चलें, सेवा करें'' के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा सेवा कार्य किया गया। इस कार्यक्रम के तहत समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी एवं लायन मधु पाटनी के सहयोग से ग्राम दौलतखेड़ा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने वाले 17 बच्चों को ठंड से बचाव हेतु स्वेटर वितरित किए गए। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के निर्देशन में यह सेवा कार्य सम्पन्न हुआ। स्वेटर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बुलबुल नाथ को भेंट किए गए, जिनका वितरण ग्राम के सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बच्चों के अभिभावकों की उपस्थिति में किया गया। यह सेवा गतिविधि न केवल बच्चों को सर्दी से बचाने का माध्यम बनी, बल्कि समाज में सहयोग, संवेदना और सेवा भावना का भी सुंदर संदेश प्रसारित किया।

तीर्थ वंदना से आत्मबल और तपोबल में वृद्धि होती है: मुनिश्री विलोकसागर

आज शाम मुरैना में होगा युगल मुनिराजों का भव्य मंगल प्रवेश

मुरैना (मनोज जैन नायक)। जैन तीर्थ अतिशय क्षेत्र सिहोनियाजी में प्रवचन देते हुए निर्यापक श्रमण मुनिश्री विलोकसागर जी महाराज ने कहा कि तीर्थों की वंदना से मनुष्य के आत्मबल, तपोबल और संयम में वृद्धि होती है। तीर्थयात्रा केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आत्म-खोज, शुद्धि और मोक्ष मार्ग की प्रेरणा है। मन, वचन और काया की शुद्धता के साथ की गई वंदना से जीवन में शांति और पुण्य की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर मुनिश्री विबोधसागर जी महाराज ने कहा कि तीर्थयात्रा से ज्ञान, संस्कृति और पौराणिक परंपराओं की जानकारी बढ़ती है। यह यात्रा आत्मशुद्धि और त्याग के भाव को सशक्त बनाती है। युगल मुनिराज पोरसा से पदविहार कर सिहोनियाजी पहुंचे और भगवान शांतिनाथ, कुंथनाथ एवं अरहनाथ के दर्शन किए। अतिशय क्षेत्र कमेटी ने उनका पाद प्रक्षालन कर भव्य स्वागत किया। आज शाम मुरैना नगर में युगल मुनिराजों का मंगल प्रवेश शोभायात्रा के साथ संपन्न होगा।

शांति नगर की शांति धारा

(एकता, श्रद्धा और इतिहास की कविता)

एक ने बीज बोया – निश्चय, श्रद्धा और मौन से।
जिन्होंने सिद्धचक्र महामंडल विधान को अकेले साधा,
वो थे पं. निर्मल कुमार जी बोहरा।
परंतु यह साधना केवल उनकी नहीं थी –
यह तो पूरे समाज की आत्मा की आहट थी।
उनके तप, त्याग और एकाग्रता ने वह दीप जलाया,
जिसकी लौ को नौवें दिन पूरा शांति नगर आया।
एक ने दीप जलाया था आराधना का,
पर उजाला पूरे समाज ने फैलाया था।
यही वह पल था,
जब आस्था ने एकता से हाथ मिलाया,
और इतिहास ने नया अध्याय लिखाया।
न शंख बजे, न संगीत था,
फिर भी हर हृदय में नाद था।
आज शांति नगर ने जो रचा –
वह केवल आयोजन नहीं, एक इतिहास था।
हर घर से निकला भक्ति का सागर,
हर मन में प्रभु का ध्यान था।
न कोई मंच, न कोई प्रदर्शन –
बस भाव था, और सम्मान था।
महिला मंडल ने अपनी श्रद्धा से वातावरण महकाया,
जब श्रीमती अरुणा जी छाबड़ा ने पूजन का स्वर उठाया।
उनके स्वर में भक्ति का आलोक था,
जो हर हृदय में एक नया संयोग था।
पुलक मंच ने दी प्रेरणा की राह,
मित्र मंडल ने थामा समाज का हाथ।
युवा मंडल ने भी निभाया साथ,
और प्रबंध समिति ने सबको एक सूत्र में बाँध दिखाया।
श्री नरेंद्र जी बड़जात्या का भाव था अनोखा,
क्रम था संभावित, पर मन था ऊँचा।
त्याग दिखाकर निर्मल जी को सम्मान दिया,
और एकता के दीप में स्वर्ण-सा उजास दिया।
जब निर्मल कुमार जी बोहरा ने शांति धारा संपन्न की,
तो मंदिर का हर कोना बोल उठा –
आज शांति नगर ने इतिहास रचा!
हर नाम जो उच्चारित हुआ, वह केवल शब्द नहीं था,
वह समाज की एकता का प्रतीक था।
किसी ने पहचाना खुद को नहीं,
सबने कहा – हम समाज हैं!
न ड्रेस थी, न नाम का अभिमान –
बस एकता की आवाज थी।
जिनके होंठों से निकला जय जिनेन्द्र,
उनके भीतर जलता विश्वास था।
हर बूंद में कर्मों की निर्जरा थी,
हर आहुति में जीवन का प्रकाश था।
शांति नगर बोला गर्व से –
हमने शांति को देखा नहीं, जिया है!
हमने धर्म को बोला नहीं, निभाया है!
और आज जो इतिहास रचा गया –
वह आने वाली पीढ़ियों के लिए
प्रेरणा का अमर संदेश बन गया।

रचयिता : पंडित निर्मल बोहरा

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विद्यासागर, इंदौर की धार्मिक यात्रा

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विद्यासागर, इंदौर के 21 सदस्य शनिवार, 8 नवंबर 2025 की रात्रि इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस से जबलपुर के लिए धार्मिक यात्रा पर रवाना हुए। समूह के सदस्य वहाँ स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थ पिसनहारी की मढ़िया पहुँचकर प्रातःकाल अभिषेक और शांति धारा करेंगे। तत्पश्चात लगभग 30 किलोमीटर दूर बरगी में आयोजित पंचकल्याणक महोत्सव में भाग लेकर आचार्य श्री समय सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में धर्मलाभ प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर वे आचार्य श्री को इंदौर पधारने हेतु श्रीफल भेंट भी करेंगे। पंचकल्याणक के प्रतिष्ठाचार्य हैं – वाणी भूषण बाल ब्रह्मचारी विनय भैया जी। ग्रुप के अध्यक्ष श्री सतीश जैन ने बताया कि इस यात्रा के संघपति होंगे – पूज्य मुनि श्री निर्लेप सागर जी महाराज के गृहस्थ जीवन के पिता श्री अनिल जी रावत एवं माता श्रीमती मीना जी रावत। यात्रा के संयोजक हैं ग्रुप के सचिव श्री संतोष जैन (एमपीईबी) तथा कोषाध्यक्ष आर. के. जैन (बीएसएनएल)। बरगी से लौटते समय समूह जबलपुर के प्रसिद्ध जैन मंदिरों के दर्शन करेगा तथा सायंकाल हनुमान ताल जैन मंदिर पर सामूहिक आरती का आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक यात्रा श्रद्धा, सेवा और संयम की भावना को समर्पित है, जो समाज में धार्मिक जागृति और एकता का संदेश प्रसारित करेगी।

सतीश जैन (इला बैंक)
अध्यक्ष,
दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विद्यासागर, इंदौर

वक़्त के दरमियां...

मुकेश कुमार बिस्सा, जैसलमेर

वक़्त के दरमियाँ इक सफर चलता रहा,
ख़्वाब आँखों में था, दिल मगर जलता रहा।

हर चिराग बुझ गया, पर दिल न बुझ पाया कभी,
राख बनकर भी कोई शोलों में ढलता रहा।

ज़िन्दगी ने तो दिए हजार तजुर्बे मुझे,
पर मैं बचपन की तरह हर दफा खिलता रहा।

तेरे वादे, तेरी बातें, तेरी खामोशियाँ,
हर लम्हे में तेरी खुशबू-सा कुछ मिलता रहा।

वो जो तकदीर में इक मोड़ आया अचानक,
उसके बाद से सफर यूँ ही बदलता रहा।

कभी हँसी में छिपा गम, कभी गम में हँसी,
इक तमाशा था जहाँ, मैं वहीं चलता रहा।

लोग कहते रहे – ह्मत ढूँढ उसको अब,ह्व
पर मैं मिट्टी में भी उसका निशाँ छलता रहा।

तेरे जाने के बाद मौसम तो वही थे मगर,
फूल सूखे रहे, सावन भी पिघलता रहा।

कितनी दुआएँ कीं कि तू लौट आए कभी,
हर दुआ की तरह वो भी अधूरी फलता रहा।

आईने में खुद को देखा तो समझ आया –
चेहरा मेरा नहीं, कोई और पलता रहा।

अब तो खामोशियाँ भी बोलने लग गईं,
दिल किसी अनकहे लफ़्ज़ से मचलता रहा।

वक़्त ने सीखा दिया इश्क का सच मुझको,
जो गया – लौट कर वो कभी न मिलता रहा।

पार्श्वनाथ भवन में पूज्य गुरुदेव 108 श्री अर्चित सागर जी महाराज का पिच्छी परिवर्तन एवं चातुर्मास निष्ठापन समारोह सम्पन्न

अजमेर. शाबाश इंडिया

पार्श्वनाथ भवन का प्रांगण रविवार को आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति से सराबोर हो उठा, जब पूज्य गुरुदेव षट्-रस त्यागी 108 श्री अर्चित सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में पिच्छी परिवर्तन एवं चातुर्मास निष्ठापन समारोह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2 बजे मंगलाचरण और जैन धर्म वंदना से हुआ। जब पूज्य गुरुदेव धर्मसभा में विराजमान हुए तो ऐसा प्रतीत हुआ मानो समवशरण साक्षात विद्यमान हो गया हो। दीप प्रज्वलन पारस जी और रुबी जी बड़जात्या द्वारा किया गया। इसके पश्चात गुरुदेव का पाद प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की गई। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया कि पूज्य गुरुदेव का चातुर्मास निष्ठापन समारोह पार्श्वनाथ भवन में विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पंडित विमल कुमार जैन ने अपने उद्बोधन में पिच्छी का महत्व बताते हुए कहा– पिच्छी केवल संयम उपकरण नहीं, यह करुणा और जीवदया का प्रतीक है। जहाँ पिच्छी का स्पर्श होता है, वहाँ हिंसा का कोई अंश नहीं रह जाता। पूज्य गुरुदेव को नई पिच्छिका मुकेश-मधु कासलीवाल परिवार द्वारा श्रद्धापूर्वक प्रदान की गई। चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सतीश खंडाका एवं महामंत्री अशोक खंडाका ने बताया कि पूज्य गुरुदेव ने चातुर्मास की साधना का सार व्यक्त करते हुए कहा–त्याग, तप और ध्यान के इन चार महीनों ने आत्मशुद्धि की ज्योति समाज में प्रज्वलित की है। मोना पाटनी और सुनीला जैन ने बताया कि चातुर्मास स्थापना के समय जिन कलशों की स्थापना की गई थी, उनका वितरण पूज्य गुरुदेव के कर-कमलों से समाज श्रेष्ठियों को किया गया।

डा. माधुरी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा– यह क्षण श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम है। प्रत्येक कलश यह संदेश देता है – जहाँ श्रद्धा है, वहीं सिद्धि है; जहाँ भक्ति है, वहीं मुक्ति है। प्रसिद्ध संगीत साधिका अंशु जी डागा ने अपने मधुर भजनों से वातावरण को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। उनके सुरों में भक्ति और भावना का ऐसा अद्भुत मेल था कि उपस्थित जनसमूह भावविभोर हो उठा। समारोह में संरक्षक कुंदनमल सेठी एवं विजय प्रकाश खंडाका ने अजमेर, किशनगढ़, ब्यावर सहित विभिन्न स्थानों से पधारे महानुभावों का स्वागत-अभिनंदन किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का समापन गुरुभक्तों द्वारा आरती के साथ हुआ। समाज के वरिष्ठजनों ने पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया और कहा कि यह आयोजन चातुर्मास की आध्यात्मिक यात्रा का पूर्णत्व है –जिसने समाज में नई जागृति, नई प्रेरणा और संयममय जीवन की दिशा प्रदान की है। इस अवसर पर संजय काला, मुकेश जैन (ब्रह्मपुरी), कमल पंसारी, मुकेश कासलीवाल, भागचंद भौंसा, शुभम खंडाका, कमला देवी सेठी, सुनीता गंगवाल, राजेश सेठी, अशोक ठोलिया, राकेश सोध्या सहित देश-विदेश से पधारे अनेक श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। –**रमेश गंगवाल**

दो दृष्टिहीनों के जीवन में रोशनी (प्रकाश) भर गए नरेश जैन

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

''नेत्रदान महादान–मरकर भी किसी की आँखों में उजाला भर देना ही सच्ची मानवता है।'' इसी भाव को साकार करते हुए महावीर इंटरनेशनल, कुचामन सिटी की प्रेरणा से आज एक महान उदाहरण प्रस्तुत हुआ। कुचामन सिटी के आथूना दरवाजा निवासी नरेश कुमार जैन (डोसी), आयु 55 वर्ष, का आकस्मिक निधन हो गया। उनके परिवार – धर्मपत्नी कंचन देवी, पुत्र वीर प्रियांशु, पुत्रियाँ पूजा अर्पित, अनिता पुलकित जैन, और परिजन वीर गौरव, सुनिल, वीर प्रवीण डोसी – ने महान मानवता का परिचय देते हुए मरणोपरांत नेत्रदान का निर्णय लिया। परिवार ने 'जीओ और जीने दो' के सिद्धांत को आत्मसात कर समाज के लिए प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत किया। महावीर इंटरनेशनल की सूचना पर जे.एल.एन. अस्पताल, अजमेर के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. भरत शर्मा की टीम ने, संस्था के सदस्य वीर सुभाष पहाडिया, अजमेर जोन सचिव वीर कैलाश पांडेया, अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, सचिव वीर अजीत पहाडिया, वीर शुभम जैन, वीर उत्कर्ष, और अमन जोशी के सहयोग से, रात 1:30 बजे नेत्रदान की प्रक्रिया संपन्न की। परिवार द्वारा डॉ. भरत शर्मा को दोनों नेत्र सौंपे गए, जिससे अब दो दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में नई रोशनी आने जा रही है। यह पुण्य कार्य श्री नरेश कुमार जैन की अमर विरासत बनकर सदैव मानव समाज में प्रेरणा देता रहेगा। महावीर इंटरनेशनल के सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और डोसी (जैन) परिवार के इस अद्वितीय सेवा कार्य के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। – **वीर सुभाष पहाडिया**

13 वीं पुण्यतिथि

स्व. श्री भंवर लाल सरावगी

मेरे मार्गदर्शक

बाऊ जी ! आपका स्नेह, गुरू भक्ति और सेवा भाव सदा मेरे लिए एक प्रेरणास्त्रोत है, आपके इन्हीं सद् व्यवहार से मेरा जीवन मार्गदर्शित है।

की 13 वीं पुण्यतिथि पर शत् शत् नमन

श्रद्धावनत्– विनोद (मोनू) छाबड़ा

युवा परिषद् हेरीटेज सभा की कार्यकारिणी का हुआ पुनर्गठन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद्, हेरीटेज सभा की कार्यकारिणी का पुनर्गठन प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर, पारसनाथ जी (सोनियान, बड़ी चौपड़) में किया गया। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष आर. के. जैन ने राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश पदाधिकारियों की मौजूदगी में नई कार्यकारिणी की घोषणा की। प्रदेश मंत्री विनोद पापडीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष आर. के. जैन ने परम संरक्षक के रूप में विनय सौगानी, माणक ठोलिया और विकास जैन तिजारिया को नामित किया।

संरक्षक बनाए गए

कमल दिवान और अनीता जैन,
वरिष्ठ सलाहकार – अजीत सौगानी एवं नरेश छाबड़ा,
उपाध्यक्ष – राहुल छाबड़ा और दिनेश जैन,
मंत्री – सुनीता गंगवाल,
कोषाध्यक्ष – संतोष छाबड़ा,
सांस्कृतिक मंत्री – अंजना जैन,
प्रचार मंत्री – ऋषभ गंगवाल

जबकि कार्यकारिणी सदस्य के रूप में संजय छाबड़ा, राजेश सेठी, अतुल जैन, रमिता बड़जात्या और सुशीला जैन को शामिल किया गया।

शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन एवं प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। सभी नए पदाधिकारियों का प्रदेश उपाध्यक्ष संजय काला, महामंत्री विमल बज और मंत्री विनोद पापडीवाल ने तिलक और माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर कमल दिवान ने गुलाबी नगरी (जयपुर) में स्थित प्राचीन जिनालयों के संरक्षण और सहयोग के लिए परिषद् सदस्यों से सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

दिगंबर जैन मंदिर वसुंधरा, गाजियाबाद में हुआ आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश

गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागर जी महाराज ससंघ का विहार नोएडा की ओर चल रहा है। आज प्रातःकाल उनका दिगंबर जैन मंदिर, वसुंधरा (गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश) में मंगल आगमन हुआ। इस अवसर पर सुबह से ही विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दोपहर में उपस्थित गुरुभक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने कहा कि ''हम तब तक अच्छे हैं जब तक आपके मुताबिक हैं! उन्होंने कहा कि अच्छा होना, अच्छा दिखना और अच्छा बनना – इन तीनों में जमीन-आसमान का अंतर है। हर कोई अच्छा दिखना चाहता है, लेकिन अच्छा बनना और होना बहुत कम लोग चाहते हैं। आचार्य श्री ने कहा कि अच्छा जीवन जीने के लिए अच्छा बनना अत्यंत आवश्यक है। अच्छा दिखने के लिए तो ब्यूटी पार्लर पर्याप्त है, लेकिन अच्छा बनने के लिए आत्म-परिवर्तन और साधना जरूरी है। जब हम खुद को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं, तो हमारी शारीरिक और मानसिक क्षमताएँ उसी दिशा में केंद्रित हो जाती हैं। जितना हम अपने आप को सुधारते हैं, उतना ही जीवन के सभी कार्यों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा – हमेशा अपने मन से कहते रहो – मैं अपने आपको और सुधारूंगा। सफल जीवन जीने के लिए अच्छा होने से कहीं अधिक अच्छा बनना जरूरी है। अच्छा करने से पहले अच्छा बनना आवश्यक है। जब हम स्वयं से अच्छा बनने की कोशिश शुरू करते हैं, तो अच्छे अपने आप बन जाते हैं। इस अवसर पर नरेंद्र अजमेरा और पियूष कासलीवाल (औरंगाबाद) सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

अंजनि नगर में प.पू. विमलप्रभा माताजी का पिच्छी परिवर्तन समारोह सम्पन्न

सैकड़ों समाजबंधुओं की उपस्थिति में निकला भव्य जुलूस – 17 नवंबर को होगा नासिक हेतु विहार

इंदौर. शाबाश इंडिया

विमानतल मार्ग स्थित अंजनि नगर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में पूज्य गणिनी आर्यिका विमलप्रभा माताजी ससंघ का पिच्छी परिवर्तन समारोह सौल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन चंद्रप्रभु मांगलिक भवन में हुआ, जहाँ माताजी को ससंघ भव्य जुलूस के रूप में लाया गया। समारोह में दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटौदी, सोशल ग्रुप फेडरेशन के अध्यक्ष मनोहर झांझरी, तथा पुलक मंच के प्रदीप बड़जात्या सहित अनेक गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात पाद प्रक्षालन का सौभाग्य हेमंत-अनिता गदिया परिवार को प्राप्त हुआ, जबकि प्रथम शास्त्र भेंट का लाभ पद्म-उषा पाटौदी ने लिया। पार्षद श्रीमती बरखा मालू ने भी माताजी को श्रीफल अर्पित किया। इसके पश्चात श्रीमती मैना-अतुल रामावत, संगीता-संजय मोदी और निर्मला-सुरेश गंगवाल ने क्रमशः विमलप्रभा माताजी, विजयमती माताजी एवं विनीतप्रभा माताजी की पिच्छी भावपूर्वक ग्रहण की। नवीन पिच्छी भेंट करने का लाभ मंदिर समिति, महिला मंडल एवं श्री पार्श्व यूथ ग्रुप ने लिया। प्रचार मंत्री नितिन पाटौदी ने बताया कि अपने आत्मीय स्वागत से अभिभूत माताजी ने अपने आशीर्वचन में कहा – ''अंजनि नगर जैन समाज का प्रत्येक घर सेवाभाव से ओतप्रोत है। इस चातुर्मास में समाजजनों ने इतनी निष्ठा और समर्पण से सेवा की है कि संत वर्ग भी भाव-विभोर हो जाता है।'' माताजी द्वारा जब 17 नवंबर को विहार आरंभ करने की घोषणा की गई, तो धर्मसभा में उपस्थित समाजबंधुओं की आँखें नम हो उठीं। मंदिर समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र सोगानी और विहार संयोजक ऋषभ पाटनी ने बताया कि 17 नवंबर को पूज्य माताजी ससंघ गोमटगिरि के लिए विहार करेंगे, तत्पश्चात धार, मनावर, बावनगजा होते हुए णमोकार तीर्थ नासिक पहुंचेंगे, जहाँ फरवरी माह में आचार्य देवानंद महाराज की निश्रा में पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन होगा। इस अवसर पर कलश वितरण अशोक तोंगिया एवं चन्द्रकुमार गोधा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन अंशुल जैन ने किया तथा आभार प्रदर्शन संजय मोदी ने किया।

कुंभलगढ़ में महावीर इंटरनेशनल एपेक्स का दो दिवसीय मंथन शिविर एवं गवर्निंग काउंसिल शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

अजमेर (रोहित जैन)।

अंतरराष्ट्रीय डिप्टी डायरेक्टर (मीडिया एंड पब्लिसिटी) कमल गंगवाल ने बताया कि कुंभलगढ़ के सुरम्य पर्यटन स्थल पर महावीर इंटरनेशनल एपेक्स, जयपुर द्वारा 8 और 9 नवंबर को दो दिवसीय मंथन शिविर एवं गवर्निंग काउंसिल शपथ ग्रहण समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सीए अनिल जैन ने की। अंतरराष्ट्रीय महासचिव वीर सोहनलाल वैद्य ने बताया कि शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं महावीर वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन के उद्देश्यों, सेवा प्रकल्पों, समाजसेवा में नवाचारों तथा आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। विभिन्न सत्रों में सदस्यों ने सेवा, सहयोग और संगठन सुदृढ़ीकरण के लिए अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर नवनिर्वाचित गवर्निंग काउंसिल के पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर नरेंद्र कुमार रांका ने रीजन-3 की संभावित कार्ययोजनाओं को प्रस्तुत करते हुए कहा कि, अब तक हमने कई नए केंद्र स्थापित कर एक नया रीजन महावीर इंटरनेशनल में जोड़ा है, और आगामी वर्षों में भी हम अनेक केंद्रों की स्थापना कर संगठन का और विस्तार करेंगे। शिविर में अजमेर से एडवाइजर कमेटी सदस्य वीर पदमचंद जैन, पूर्व महासचिव वीर अशोक कुमार गोयल, जोन अध्यक्ष वीर बाबूलाल जैन सहित रीजन-3 से कुल 27 वीर-वीराओं ने सहभागिता की। समारोह के समापन अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, सम्मान समारोह और सामूहिक प्रतिज्ञा के साथ दो दिवसीय शिविर का समापन हुआ। इस बार शिविर में कुल 240 वीर और वीरा सदस्यों की उपस्थिति रही।

हीर बनूं, मन प्रीत लिखूं

डॉ. नीलिमा पाण्डेय, मुंबई

छलक-छलक जाते हैं नैना,
दर्द भरे जब गीत लिखूं।।२।।

लिखती हूँ जब नन्हा बालक,
पीड़ित, शोषित कोई पालक,
आटा घोले, दूध लिखूं –
दर्द भरे जब गीत लिखूं।।२।।

बिटिया जब-जब जाती पढ़ने,
स्वप्न कोई जब नया सा गढ़ने,
तंज कसें सब, चीख लिखूं –
दर्द भरे जब गीत लिखूं।।२।।

युवक जब भी गया कमाने,
माँ की धोती फटी सिलाने,
हीर बनूं, मन प्रीत लिखूं –
दर्द भरे जब गीत लिखूं।।२।।

राजनीति की अंधी आँधी,
धर्म-करम ने मेड़ है बाँधी,
आहत मन हर जीत लिखूं –
दर्द भरे जब गीत लिखूं।।२।।

छलक-छलक जाते हैं नैना,
दर्द भरे जब गीत लिखूं।।२।।

पंचकल्याणक महोत्सव में धूमधाम से मनाया गया गर्भ कल्याणक उतरार्ध

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रुतसंवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ के परम सान्निध्य में श्री मज्जिनेन्द्र नेमिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 9 से 15 नवंबर तक मुन्सिमहल गार्डन, कमल एंड कंपनी, टोंक रोड पर भव्य रूप से चल रहा है। आज महोत्सव के अंतर्गत गर्भ कल्याणक उतरार्ध धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शांतिधारा से हुआ, जिसके पुण्यार्जक डॉ. संदीप जैन एवं डॉ. सुरभि जैन रहे। मंदिर अध्यक्ष प्रेम जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि आज मुनि संघ के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य कीर्ति नगर निवासी पद्म जी चांदवाड़ तथा दीपकझ्ररूबी चांदवाड़ को प्राप्त हुआ। संध्याकालीन भव्य आरती के पुण्यार्जक कुशल जीझ्रमधु ठोलिया परिवार रहे। अपने मंगल प्रवचन में मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने कहा– ''आज प्रभु का गर्भ कल्याणक है। इस पवित्र अवसर से प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ न कुछ शुभ संस्कार लेकर जाना चाहिए। भगवान की मूर्ति की स्थापना जीवन में एक बार अवश्य करनी चाहिए – चाहे वह आपके मोहल्ले के मंदिर में हो या विश्व के किसी भी मंदिर में, उसका पुण्य अनंतकाल तक मिलता रहता है।'' प्रचार मंत्री आशीष बैद ने बताया कि सोमवार की रात्रि में भगवान की माता को सोलह स्वप्न दिखाने की क्रिया सम्पन्न हुई तथा आज दिन में इंद्रों द्वारा माता की गोद भराई का दिव्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र जैन ने जानकारी दी कि दिन में दंपति संस्कार का आयोजन हुआ, जिसमें 51 दंपतियों ने भाग लेकर अपने संस्कार करवाए। पंचकल्याणक में मुख्य वेदी पुण्यार्जक दीपक जीझ्ररूबी जी चांदवाड़, पंचकल्याणक शिरोमणि दीक्षांत हाड़ा, भगवान के माता-पिता अशोक जीझ्रशकुंतला चांदवाड़ रहे। भामाशाह कुशल जी ठोलिया, विकास मुंशीमहल, आशीषझ्रराखी सौगनी तथा समाज के अनेक श्रद्धालु परिवारों ने गुरु भक्ति का लाभ लिया। कल भगवान के जन्म कल्याणक का आयोजन होगा। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें इंद्र द्वारा प्रभु को पांडुशिला पर ले जाकर अभिषेक कराया जाएगा।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर सीआईएसएफ ने मनाया जश्न

जनभागीदारी और डिजिटल अभियान के साथ देशभर में मनाया गया उत्सव

कोटा / नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गृह मंत्रालय (एमएचए) के निर्देशों के अनुरूप केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की सभी इकाइयों में देशभर में भव्य उत्सव मनाया गया। कोटा थर्मल के सुरक्षा प्रभारी डिप्टी कमांडेंट टी. हॉकिप ने बताया कि इस अवसर पर नई दिल्ली स्थित बल मुख्यालय सहित सभी सीआईएसएफ इकाइयों में वंदे मातरम् के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। बल मुख्यालय में 200 से अधिक कर्मियों ने देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। देशभर में अपनी व्यापक भौगोलिक उपस्थिति के साथ सीआईएसएफ ने इस संदेश के व्यापक प्रसार को सुनिश्चित किया। प्रमुख शहरों से लेकर दूरदराज के इलाकों तक स्थित इकाइयों ने जनभागीदारी बढ़ाने वाले कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिससे नागरिकों में सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकता की साझा भावना को सशक्त किया जा सके। सभी इकाइयों के सीआईएसएफ कर्मियों ने वंदे मातरम् के साथ कराओके नामक डिजिटल अभियान में भी भाग लिया, जिसके तहत उन्होंने राष्ट्रगीत के पूर्ण संस्करण का गायन रिकॉर्ड कर अपलोड किया। कई स्थानों पर गायन प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं, जिससे उत्सव का उल्लास और बढ़ गया। सभी इकाइयों ने माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा और उसमें सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। इस दौरान अभियान की ब्रांडिंग सामग्री जैसे होर्डिंग, बैनर, वेबसाइट क्रिएटिव और एक लघु फिल्म का भी अनावरण किया गया। इस राष्ट्रव्यापी उत्सव की गति बनाए रखने के लिए पूरे वर्ष विविध कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। वंदे मातरम् का यह स्मरणोत्सव भारत की एकता, गौरव और देशभक्ति की भावना को समर्पित है – जो हर नागरिक को राष्ट्र को एक सूत्र में जोड़ने वाले शाश्वत मूल्यों पर चिंतन करने के लिए प्रेरित करता है। सीआईएसएफ की सभी इकाइयों को इन गतिविधियों में बल कर्मियों के साथ-साथ आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जिससे सामूहिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय चेतना की भावना को और सुदृढ़ किया जा सके।

महिला जागृति संघ की तरफ से भूटान की यात्रा आठ दिन की रैमिटिक्स कम्पनी के ईश्वर जी की देखरेख में 25सदस्यो का दल भट्टारक जी की नसियां से रवाना हुआ। शशी जैन व बेला ने बताया कि सभी का स्वागत एकता व गरिमा के द्वारा किया गया।

निशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 162 रोगी हुए लाभान्वित

गुलाबपुरा (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति, गुलाबपुरा द्वारा प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार को आयोजित होने वाला निशुल्क मिर्गी रोग चिकित्सा शिविर इस माह भी संस्था परिसर में संपन्न हुआ। संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने बताया कि शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आर.के. चंडक ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। शिविर में कुल 162 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 21 नए मरीज शामिल थे। सभी मरीजों को निशुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गईं। शिविर में रामलाल जी ने उपस्थित रोगियों को मिर्गी रोग से बचाव, योग के लाभ तथा नियमित अभ्यास के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने समिति की चल रही गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि अध्यक्ष घेवरचंद श्रीश्रीमाल ने लाभार्थी परिवारों का स्वागत-अभिनंदन किया। कोषाध्यक्ष राजेंद्र चोरड़िया ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया। इस शिविर के लाभार्थी श्री मनोहर सिंह जी एवं प्रतीक जी तातेड (बेंगलुरु) रहे। शिविर में आए सभी मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए पूरे नवंबर माह के सभी कैंपों में निशुल्क भोजन व्यवस्था स्वर्गीय श्रीमती प्रेम कंवर (धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री जयसिंह जी चौधरी) की पुण्य स्मृति में श्री पुखराज जी चौधरी एवं श्रीमती विमला देवी चौधरी (अजमेर) की ओर से रखी गई, जिससे 285 से अधिक व्यक्तियों ने लाभ उठाया। शिविर में मदनलाल लोढ़ा, सुरेश लोढ़ा, सुशील चौधरी, दिनेश जोशी, प्रेम जी पाडलेचा, दिलीप पाराशर, अनिता रांका, पूजा कोठारी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने सेवाएँ प्रदान कीं।

निर्मला रावत "मदर टेरेसा समर्पण समाज गौरव-2025" अवार्ड से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिव्यांगजनों और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विश्व पैरा थ्रो बॉल महासंघ की अध्यक्ष निर्मला रावत को ''मदर टेरेसा समर्पण समाज गौरव-2025'' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मानवता और परोपकार के लिए समर्पित राजस्थान की अग्रणी संस्था समर्पण द्वारा आयोजित 10वें राष्ट्र स्तरीय ''मदर टेरेसा समर्पण समाज गौरव-2025'' अवार्ड समारोह में प्रदान किया गया। समारोह का आयोजन दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान के सियाम ऑडिटोरियम में किया गया। अवार्ड का वितरण राजस्थान के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा, युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव तथा राजस्थान राज्य खेल परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज के. पवन, पूर्व प्रधान आयकर आयुक्त एवं समर्पण संस्था के प्रधान मुख्य सलाहकार अनिल कुमार जैन तथा संस्था के संस्थापक अध्यक्ष दौलतराम माल्या द्वारा किया गया। निर्मला रावत को दुपट्टा, साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं अवार्ड ट्रॉफी प्रदान की गई। इस अवसर पर सामाजिक सेवा, न्याय, चिकित्सा, कला-संस्कृति, साहित्य और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। निर्मला रावत को यह सम्मान मिलने पर समाज के विभिन्न वर्गों में हर्ष व्यक्त किया गया। मंच पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि ''दिव्यांगों के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए निर्मला रावत द्वारा किया जा रहा कार्य ऐतिहासिक और प्रेरणादायक है।''

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप “वीर” द्वारा मानव सेवार्थ रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर, जयपुर द्वारा संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल ब्लड बैंक के सहयोग से तथा जयपुर यूनाइटेड राउंड टेबल इंडिया 272 (JURT 272) के सौजन्य से मानव सेवार्थ रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर मानसरोवर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित स्टोन स्टूडियो परिसर में सम्पन्न हुआ। JURT 272 के अध्यक्ष निमिष अरोड़ा एवं सचिव प्रणय जैन ने बताया कि संस्था नियमित रूप से सामाजिक एवं मानवता से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित करती है। इसी श्रृंखला में इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों के जीवन को बचाने हेतु रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर के मुख्य समन्वयक नीरज जैन ने बताया कि लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव जीवन रक्षा के संकल्प के साथ अपने अमूल्य रक्त का महादान किया। शिविर में कुल 70 रजिस्ट्रेशन हुए, जिनमें से 57 रक्तदाताओं से सफलतापूर्वक रक्त संग्रह किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्टोन स्टूडियो के निदेशक अक्षय डागा ने अपने उद्बोधन में सभी रक्तदाताओं, फेडरेशन अध्यक्ष सुनील बज, निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, रीजन सचिव, एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर के अध्यक्ष नीरज जैन सहित एस.डी.एम.एच. ब्लड बैंक टीम का मानव सेवा के प्रति उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। शिविर का समापन सभी उपस्थित जनों द्वारा एक स्वर में दिए गए संकल्प – ‘रक्तदान – महादान’ के उद्घोष के साथ किया गया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप “वीर” द्वारा मानव सेवार्थ रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर, जयपुर द्वारा संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल ब्लड बैंक के सहयोग और जयपुर यूनाइटेड राउंड टेबल इंडिया 272 (JURT 272) के सौजन्य से मानव सेवार्थ रक्तदान शिविर का सफल आयोजन मानसरोवर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित स्टोन स्टूडियो परिसर में किया गया। JURT 272 के अध्यक्ष निमिष अरोड़ा एवं सचिव प्रणय जैन ने बताया कि संस्था निरंतर सामाजिक एवं मानवता से जुड़े कार्य करती रहती है। इसी क्रम में इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंदों के जीवन की रक्षा हेतु रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर के मुख्य समन्वयक नीरज जैन ने जानकारी दी कि नागरिकों ने बड़े उत्साह से भाग लिया और मानवता के प्रति समर्पित भाव से अपने अमूल्य रक्त का दान किया। इस अवसर पर कुल 70 रजिस्ट्रेशन हुए, जिनमें से 57 रक्तदाताओं से सफलतापूर्वक रक्त संग्रह किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्टोन स्टूडियो के निदेशक अक्षय डागा ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान एक सच्ची मानव सेवा है, जो जरूरतमंदों को नया जीवन प्रदान करती है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं, फेडरेशन अध्यक्ष सुनील बज, निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, रीजन सचिव, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर के अध्यक्ष नीरज जैन तथा एस.डी.एम.एच. ब्लड बैंक टीम का मानवता के प्रति उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। फेडरेशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे शिविर समाज में सेवा भावना, जनजागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को प्रबल बनाते हैं। शिविर का समापन सभी उपस्थित जनों द्वारा एक स्वर में दिए गए संकल्प – ‘‘रक्तदान ही महादान है’’ – के उद्घोष के साथ हुआ।

श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र के तत्वावधान में और क्रैक द वैलनेस कोड फाउंडेशन के सौजन्य से गीता बजाज स्कूल, गोविंद मार्ग में स्कूली बच्चों एवं इ.एफ. छात्राओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं चिकित्सा जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का संचालन वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एस. सी. बोहरा के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर डॉ. चिरायु, डॉ. प्रदीप जैन, डॉ. मीनाक्षी और डॉ. पारुल ने विद्यार्थियों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की। डॉ. स्तुति थापर की टीम ने दंत जांच और डॉ. सुनील की टीम ने नेत्र जांच की। साथ ही विजन डायग्नोस्टिक सेंटर, मालवीय नगर द्वारा हीमोग्लोबिन और रक्त समूह जांच की सुविधा प्रदान की गई। विद्यार्थियों के वजन, लंबाई, ऑक्सीजन स्तर की जांच और सामान्य स्वास्थ्य परामर्श भी निःशुल्क दिए गए। शिविर में लगभग 200 विद्यार्थियों ने लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में श्री सुरेश लुहाड़िया (प्रभारी, चिकित्सा केंद्र), ट्रस्टी अनिल टोंग्या, अशोक गंगवाल और अशोक कासलीवाल का विशेष योगदान रहा। गीता बजाज स्कूल एवं B.Ed. कॉलेज की प्रिंसिपलों ने इस जनहितकारी पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर वी. के. काला ने कहा कि ऐसे शिविर समुदाय में स्वास्थ्य-जागरूकता बढ़ाने में सहायक हैं। कार्यक्रम निदेशक डॉ. गार्गी गोपेश ने विद्यार्थियों में स्वास्थ्य संवेदनशीलता बढ़ाने पर बल दिया। शिविर में सहयोग हेतु श्री नीरज गंगवाल (भगवान महावीर चिकित्सालय, महावीर नगर प्रथम) का भी विशेष आभार व्यक्त किया गया।